Ch. Raghbir Singh : May I know whether there was any other firm willing o compete with this firm ?

Shri Alagesan : There is no question of competition. Assistance is being given in the form of grants and loans for placing orders for ships. The orders are placed either on the Hindustan Shipyard or on foreign firms.

लद्दाख में वायरलेस स्टेशन

७५६. **श्री भक्त दर्शन** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लद्दाख (काश्मीर) में वायरलेस स्टेशन स्थापित करने के बारे में क्या कोई अन्तिम निर्णय किया गया है;

(ख) यदि हां, तो यह स्टेशन कब कार्य करने लगेगा ; और

(ग) उस पर अब तक कितनी राशि खर्च की गई है ?

संचार उपमंत्री (श्री राज बहादुर) (क) जी, हां ।

(ख) कोई सुनिश्चित तारीख बतायी नहीं जा सकती है ।

(ग) कुछ नहीं ।

श्री भक्त दर्शन : इस बेतार का यंत्र लगाने में कितनी हानि का अनुमान किया गया है और उसकी पूर्ति क्या काश्मीर सरकार करेगी या यह हानि भारत सरकार को ही उठानी पड़ेगी ?

श्री राज बहादुर : इसका एक अनुमान २०-७-५५ को स्वीकृत किया गया था किन्तु उसकी दुबारा जांच होने पर यह प्रतीत हुआ कि इसको फिर देखना पड़ेगा । एस्टीमेट या अनुमान फिर विचाराधीन है और जब तक वह अन्तिम रूप से स्वीकृत न हो जाये, हानि कितनी होगी, यह बताना कठिन है ।

श्री भक्त दर्शन : यह जो बेतार का यंत्र लग रहा है क्या यह केवल सरकारी विभागों की सुविधा के लिये लग रहा है या यह जनता की सुविधा के लिये भी लगाया जा रहा है और रेट्स क्या होंगे ?

श्री राजबहादुर : यह आम जनता की सुविधा के लिये भी है ।

श्री भक्त दर्शन : क्या लद्दाख में किसी और जगह पर भी बेतार का यन्त्र या टेलीफ़ोन का विस्तार करने की कोई योजना है जिस पर विचार किया जा रहा है ?

श्री राज बहादुर : जहां कहीं आवश्यकता प्रतीत हुई, सरकारी आवश्यकताओं को देखते हुए या जनता की सुविधा को देखते हुए तो विचार किया जायेगा ।

Loco motive Contracts

*760 **Pandit D. N. Tiwary** : Will the Minister of Railways be pleased to refer to the reply given to S arred Question No. 261 on the 29th July, 1955 and state:

(a) in how many cases liquidated damages were realised for non-supply of locomotives, wagons and coaches ;

(b) the names of the companies from which such damages were realised ; and

(c) whether any new orders have been placed with them ?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Railways and Transport (Shri Shahnawaz Khan) : (a) Two.

(b) 1—Messrs. Societe Anglo-Franco Belge, Belgium.

2—Messrs. M.A.N., Germany.

(c) Yes, only with Messrs. M.A.N., Germany.

Pandit D. N. Tiwary : May I know the reasons for giving the contract again to this firm when it has failed to fulfil the order and when damages were realised from it ?

Shri Shahnawaz Khan : The mere fact that the firm has failed so supply the material on a definite date is not enough reason to blacklist that firm. This firm M.A.N., Germany is a very well-known and renowned firm and they have made good all their lapse They have already supplied their fu